फीड बैक का विश्लेषण

छात्राओं एवं पुराछात्राओं के फीडबैक (2016–17) का विश्लेषण –

सत्र 2016–17 के लिए दिनांक 17 मार्च 2017 को लिये गये फीडबैक में 477 छात्राओं एवं 1422 पुराछात्राओं ने प्रतिभाग किया और उनके फीडबैक के अनुसार निम्नांकित तथ्य उभर के सामने आये।

– सभी छात्राएं एवं पुराछात्राएं एक मत से महाविद्यालय के टीचिंग लर्निंग प्रोसेस, शैक्षणिक प्रक्रिया, सुरक्षा व्यवस्था, टीचिंग स्टाफ की योग्यता, महाविद्यालय के सेमीनारों और कार्यशालाओं के स्तर, परिसर की पर्यावरण शुद्धता एवं प्राचार्या, शिक्षकों और प्रबन्धन के व्यवहार से सर्वाधिक संतुष्ट है और पुस्तकालय में नवीन पाठ्यक्रम के पुस्तकों की उपलब्धता एवं क्रीडा परिसर में सुधार की आवश्यकता पर बल दिया।

– महाविद्यालय स्तर पर प्रतियोगितात्मक परीक्षाओं के लिए जो प्रयास किये जा रहे थे उनकी सराहना की गई फिर भी इस दिशा में और कार्य करने का सुझाव दिया गया।

– महाविद्यालय के यूनिफार्म ड्रेसकोड, कौशल विकास एवं प्रशिक्षण की व्यवस्था, छात्रावास, वाईफाई, कैन्टीन, परिवहन, सुरक्षा, परिसर की साफ–सफाई, प्रयोगशालाओं की स्थित और परीक्षा व्यवस्थाओं के प्रति सर्वाधिक संतुष्टि व्यक्त की गई।

– ट्रेनिंग एवं प्लेसमेन्ट के लिये सुझाव दिया गया कि विभिन्न मल्टीनेश्नल कंपनियों से सम्पर्क कर छात्राओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए महाविद्यालय स्तर से और प्रयास किया जाये।

– महाविद्यालय के हरित परिसर को और सुसजित करने के लिए सुझाव दिया गया।

कार्यवाही–

महाविद्यालय के स्तर उन्नयन के लिये छात्राओं एवं पुराछात्राओं ने जो सुझाव दिये है उन पर कार्यवाही का निम्नवत् निर्णय लिया गया।

– पुस्तकालय में नये पाठ्यक्रम के अनुसार पुस्तकों की उपलब्धता की समस्या अति गम्भीर रूप से अभिभावकों द्वारा इंगित की गई थी। इस समस्या पर गम्भीरता से विचार किया गया। वस्तुतः उत्तर प्रदेश शासन के निर्देशानुसार विश्वविद्यालय के क्षेत्राधिकार में संशोधन किये जाने के कारण प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज द्वारा अस्थाई रूप से शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर एवं डॉ0 राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद के पाठ्यक्रम को सम्मिलित रूप से अंगीकृत कर लेने के कारण पुस्तकालय में पूर्व की उपलब्ध पुस्तकें किसी सीमा तक कम उपयोगी रह गयी है इसलिए शिक्षक–शिक्षिकाओं को निर्देशित किया जा रहा है कि वे उपलब्ध पुस्तकों से पाठ्यक्र के अनुरूप सामाग्रियों को प्रिन्टेड मैटर के रूप में छात्राओं को उपलब्ध कराये।

– क्रीडा परिसर में सुधार के लिये शारीरिक शिक्षा विभाग के प्रशिक्षक श्री बलराम जी को निर्देशित किया गया।

– बी0एड्0 विभाग के मॉडल स्कूल की प्रयोगशाला के लिए भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, जीवविज्ञान एवं भूगोल विभाग के लिए वांछित उपकरण क्रय किये गये।

– शैक्षणिक स्तर बनाये रखने, परिसर की साफ–सफाई, कैन्टीन में मानक के अनुरूप खाद्य पदार्थो की उपलब्धता तथा साफ–सफाई, शौचालयों की समुचित व्यवस्था एवं शुद्ध पेय जल

की उपलब्धता बनाये रखने के लिये प्राचार्या से आग्रह किया गया कि सम्बन्धित प्रभारियों की उचित मॉनीटरिंग बनाये रखा जाये।

– छात्राओं एवं पुराछात्राओं का आग्रह था कि मल्टीनेश्नल कम्पनियों में रोजगार के लिये ट्रेनिंग एवं प्लेसमेन्ट की सुविधा उपलब्ध करायी जाये। इस संदर्भ में श्री अनूप कुमार दत्ता को विभिन्न कम्पनियों से सम्पर्क करने के लिये अधिकृत किया गया।

– टीचिंग लर्निंग प्रोसेस एवं शैक्षणिक प्रक्रिया को और उन्नत बनाने के लिये डॉ0 अवधेश कुमार शर्मा विभागाध्यक्ष बी0एड्0 विभाग को निर्देशित किया गया कि वे कार्य योजना प्रस्तुत करे।

– पुस्तकालय में उर्दू पाठ्यक्रम की पुस्तकें विश्वविद्यालय द्वारा स्वीकृत पाठ्यक्रम के अनुरूप उपलब्ध बनी रहे इसके लिये श्री अज़मत अली अंसारी विभागाध्यक्ष उर्दू विभाग को एवं संस्कृत पाठ्यक्रम की पुस्तकें विश्वविद्यालय द्वारा स्वीकृत पाठ्यक्रम के अनुरूप उपलब्ध बनी रहे इसके लिये डॉ0 अरविन्द सिंह विभागाध्यक्ष संस्कृत विभाग को निर्देशित किया गया।

छात्राओं एवं पुराछात्राओं के फीडबैक (2017–18) का विश्लेषण –

दिनांक 18 अप्रैल 2018 को प्राप्त छात्राओं एवं पुराछात्राओं के फीडबैक की समीक्षा के आधार पर निम्नाकिंत बिन्दुओं पर महाविद्यालय स्तर पर कार्यवाही अपेक्षित थी।

– महाविद्यालय के समग्र वातावरण में और प्रयास की आवश्यकता पर बल दिया गया था।

– शैक्षणिक गतिविधियों में प्राद्यौगिकी के प्रयोग, शुद्ध पेय जल की व्यवस्था, शुद्ध पर्यावरण, सुरक्षा व्यवस्था, परिवहन व्यवस्था, कैन्टीन व्यवस्था और पारिवारिक वातावरण की सराहना की गई थी।

– विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम में लगातार संशोधन के कारण नये पाठ्यक्रम की पुस्तकों को पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध कराने का सुझाव दिया गया था।

– क्रीडा परिसर में और सामाग्रियों को उपलब्ध कराने और अधिक से अधिक छात्राओं को शारीरिक शिक्षा के प्रति प्रेरित करने का सुझाव दिया गया।

– महाविद्यालय में आयोजित सेमिनार एवं संगोष्ठियाँ छात्राओं के बौद्धिक विकास में अभूतपूर्व सहायक हो रही थी फिर भी इस दिशा में और प्रयास कर राष्ट्रीय स्तर के सेमिनार एवं संगोष्ठियों करने का सुझाव दिया गया।

– चिकित्सीय परीक्षण के लिए प्रतिमाह व्यवस्था किये जाने के लिए सुझाव दिया गया।

– महाविद्यालय के सांस्कृतिक कार्यक्रमों को उत्कृष्ट बताते हुए सर्वागीण विकास के लिये उपयोगी बताया गया और इसमें और गुणात्मक सुधार का सुझाव दिया गया।

– महाविद्यालय का हरित परिसर छात्राओं के लिए विशेष आकर्षण है इसके लिए और सजावटी पौधों से अलंकृत करने का सुझाव दिया गया।

– महाविद्यालय की छात्राओं को विभिन्न औद्योगिक छात्राओं में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रयास किये जाने का सुझाव दिया गया।

कार्यवाही :

महाविद्यालय के स्तर उन्नयन के लिये छात्राओं एवं पुराछात्राओं ने जो सुझाव दिये है उन पर कार्यवाही निम्नवत् प्रस्तावित की गई।

– पुस्तकालय में नये पाठ्यक्रम के अनुसार पुस्तकों की उपलब्धता की समस्या अति गम्भीर रूप से अभिभावकों द्वारा इंगित की गई थी। इस समस्या पर गम्भीरता से विचार किया गया। वस्तुतः उत्तर प्रदेश शासन के निर्देशानुसार विश्वविद्यालय के क्षेत्राधिकार में संशोधन किये जाने के कारण प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज द्वारा अस्थाई रूप से शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर एवं डॉ0 राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद के पाठ्यक्रम को सम्मिलित रूप से अंगीकृत कर लेने के कारण पुस्तकालय में पूर्व की उपलब्ध पुस्तकें किसी सीमा तक कम उपयोगी रह गयी है इसलिए शिक्षक–शिक्षिकाओं को निर्देशित किया जा रहा है कि वे उपलब्ध पुस्तकों से पाठ्यक्र के अनुरूप सामाग्रियों को प्रिन्टेड मैटर के रूप में छात्राओं को उपलब्ध कराये।

– पुराछात्राओं द्वारा 05 कैरमबोर्ड एवं 05 शतरंज महाविद्यालय को उपलब्ध कराया गया जिसे सम्मिलित कर लेने से क्रीडा परिसर में खेल उपकरणों की संख्या में वृद्धि हुई। अन्य सुधारों के लिए क्रीडा से सम्बन्धित छात्राओं के आकांक्षाओं के अनुरूप सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए क्रीडा प्रशिक्षक को निर्देश दिया गया।

– बी0एड्0 विभाग के मॉडल स्कूल की प्रयोगशाला के लिए भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, जीवविज्ञान एवं भूगोल विभाग के लिए वांछित उपकरण क्रय किये गये।

– शैक्षणिक स्तर बनाये रखने, परिसर की साफ–सफाई, कैन्टीन में मानक के अनुरूप खाद्य पदार्थो की उपलब्धता तथा साफ–सफाई, शौचालयों की समुचित व्यवस्था एवं शुद्ध पेय जल की उपलब्धता बनाये रखने के लिये प्राचार्या से आग्रह किया गया कि सम्बन्धित प्रभारियों की उचित मॉनीटरिंग बनाये रखा जाये।

– आगामी सत्र में विश्वविद्यालय के नये पाठ्यक्रम को दृष्टिगत् रखते हुये विभिन्न विषयों पर शैक्षिक संगोष्ठियाँ और सेमीनार आयोजन के लिये कार्ययोजना तैयार करने के लिये डॉ0 अरविन्द सिंह विभागाध्यक्ष संस्कृत विभाग को अधिकृत किया गया।

– छात्राओं में स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिये डॉ0 प्राची उपाध्याय विभागाध्यक्ष गृह विज्ञान विभाग को निर्देशित किया गया कि वे छात्राओं को अचार, मुरब्बा, ज्वैलरी, पपेट मेंकिंग आदि बनाने के लिये प्रशिक्षित करे और उनकी प्रदर्शनी आयोजित कर छात्राओं के समक्ष रोजगार के अवसर के रूप में प्रस्तुत करे साथ ही श्री अनूप कुमार दत्ता को निर्देशित किया गया कि वे औद्योगिक प्रतिष्ठानों से सम्पर्क कर छात्राओं के प्रशिक्षण और राजेगार के अवसर तलाशे।

– चिकित्सीय सहायता के लिए मुख्य चिकित्सा अधिकारी के स्तर से कार्यवाही के लिये महाविद्यालय की ओर से श्री अनन्त प्रकाश शुक्ला, बी0एड्0 विभाग को नामित किया गया।

छात्राओं एवं पुराछात्राओं के फीडबैक (2018–19) का विश्लेषण –

दिनांक 20/05/2019 को सत्र 2018–19 की 520 छात्राओं एवं 1460 पुराछात्राओं से प्राप्त फीडबैक पर परिचर्चा की गई और फीडबैक के परिणामों के रूप मे निम्नांकित बिन्दुओं को रेखांकित किया जा सकता है और उनके परिप्रेक्ष्य में कार्यवाही की संस्तुति की गई।

– क्रीडा परिसर में व्यापक सुधार की आवश्यकता है और नये खेलों को महाविद्यालय में सम्मिलित किया जाना चाहिए।

– पुस्तकालय की पुस्तकों की विश्वद्यिालय के नवीनतम पाठ्यक्रमों के अनुसार उपलब्धता सुनिश्चित की जाये।

– प्रतियोगितात्मक परीक्षाओं के लिए महाविद्यालय स्तर से और प्रयास की आवश्यकता पर बल दिया गया।

– महाविद्यालय के द्वारा छात्राओं के ट्रेनिंग और प्लेसमेन्ट की दिशा में सार्थक प्रयास की आवश्यकता को रेखांकित किया गया।

– छात्राओं के नियमित स्वास्थ्य परीक्षण के लिए व्यवस्था की जाये।

– यद्यपि महाविद्यालय की सुरक्षा व्यवस्था, परीक्षा व्यवस्था, परिवहन व्यवस्था, हरित परिसर, कैन्टीन, शैक्षिक व्यवस्था, कौशल विकास एवं प्रशिक्षण आदि की व्यवस्था को अधिकांशता छात्राओं द्वारा उत्कृष्ट श्रेणी मे ंरखा गया है फिर भी अभी इस दिशा में और प्रयास की आवश्यकता है।

कार्यवाही :

सत्र 2018–19 की 520 छात्राओं और 1460 पुराछात्राओं से प्राप्त फीडबैक के आधार पर निम्नांकित कार्यवाही की गयी।

– छात्राओं में कौशल एवं योग्यता के विकास के लिये कार्यशालय आयोजित की जाये।

– बी0एड्0 विभाग के मॉडल स्कूल की प्रयोगशाला के लिए भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान एवं जीवविज्ञान विभाग के लिए वांछित उपकरण क्रय किये गये।

– क्रीडा परिसर के लिये पुराछात्राओं द्वारा 10 बॉलीबाल, 05 हैण्डबॉल और 04 रैकेट उपलब्ध कराये गये।

– पुस्तकालय में नये पाठ्यक्रम के अनुसार पुस्तकों की उपलब्धता की समस्या अति गम्भीर रूप से अभिभावकों द्वारा इंगित की गई थी। इस समस्या पर गम्भीरता से विचार किया गया। वस्तुतः उत्तर प्रदेश शासन के निर्देशानुसार विश्वविद्यालय के क्षेत्राधिकार में संशोधन किये जाने के कारण प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज द्वारा अस्थाई रूप से शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर एवं डॉ0 राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद के पाठ्यक्रम को सम्मिलित रूप से अंगीकृत कर लेने के कारण पुस्तकालय में पूर्व की उपलब्ध पुस्तकें किसी सीमा तक कम उपयोगी रह गयी है इसलिए शिक्षक–शिक्षिकाओं को निर्देशित किया जा रहा है कि वे उपलब्ध पुस्तकों से पाठ्यक्र के अनुरूप सामाग्रियों को प्रिन्टेड मैटर के रूप में छात्राओं को उपलब्ध कराये।

– चिकित्सीय सुविधा के लिये डॉ0 राकेश शर्मा, डॉ0 सुधाकर सिंह एवं डॉ0 अवन्तिका पाण्डेय की नियमित चिकित्सीय सलाह के लिये महाविद्यालय की ओर से नामित किया गया।

– प्रतियोगात्मक परीक्षाओं के लिये श्री रवीन्द्र नाथ त्रिपाठी प्रवक्ता बी0एड्0 विभाग को नामित किया गया और उन्हे निर्देशित किया गया कि छात्राओं में प्रतियोगितात्मक परीक्षाओं में सम्मिलित होने के लिए जागृत लाये और आवश्यकतानुसार उनका मार्ग दर्शन करे।

– छात्राओं में सामाजिक दायित्वों का बोध कराने के लिये प्रत्येक छात्रा से आर्थिक रूप से कमजोर व्यक्तियों को अपना एक वस्त्र दान करने के लिये प्रेरित किया गया।

– समिति ने प्राचार्या से आग्रह किया कि विद्यालय को और उन्नत स्तर प्रदान कराने के लिये हर सम्भव प्रयास करे और महाविद्यालय के शैक्षणिक स्तर में उन्नयन, शैक्षणिक गतिविधियों में सुधार, परिसर की साफ–सफाई एवं प्रयोगशालाओं को मानक के अनुरूप सुसजित कराने, परिवहन व्यवस्था को सुचारू बनाये रखने एवं सुरक्षा व्यवस्था को चाकचौबन्द रखने के लिये हर सम्भव प्रयास करे।

छात्राओं एवं पुराछात्राओं के फीडबैक (2019–20) का विश्लेषण –

दिनांक 22/03/2020 से लॉकडाउन लागू हो जाने के कारण 27 अप्रैल 2020 को प्राप्त ऑनलाईन फीडबैक की समीक्षा लॉकडाउन के उपरान्त की जा सकी और प्राप्त फीडबैक पर कोविड–19 के परिप्रेक्ष्य में समीक्षा की गई।

– यद्यपि छात्राओं ने कैन्टीन की सुविधा में विस्तार के लिए फीडबैक दिया था किन्तु लॉकडाउन नियमों के कारण यह सम्भव नही था। इस सम्बन्ध में कोविड–19 के निर्देशों के अनुरूप निर्णय लिये जाये।

– क्रीडा सामाग्रियों और क्रीडा परिसर में सुधार के लिए दिये गये फीडबैक का अनुपालन भी कोविड–19 के अनुरूप किया जाना उचित होगा।

– नियमित स्वास्थ्य परीक्षण की सुविधा में विस्तार सम्बन्धी फीडबैक पर कार्यवाही कोविड–19 के निर्देशों के अनुरूप प्रस्तावित किया गया।

– कौशल विकास एवं प्रशिक्षण के लिए दिये गये फीडबैक के अनुरूप ऑनलाईन प्रशिक्षण की व्यवस्था पर विचार किया गया।

– टीचिंग लर्निंग प्रासेस और शैक्षणिक प्रक्रिया, सेमिनार, प्रतियोगितात्मक परीक्षाओं के लिए सामाग्रियों के उपलब्ध कराये जाने के प्रस्तावों पर कोविड–19 नियमों के अन्तर्गत विचार किया जाना।

– काविड–19 के कारण प्रत्यक्ष सांस्कृतिक कार्यक्रम सम्भव नही थे इसलिए फीडबैक के अनुरूप कोविड–19 के नियमों के अर्न्तगत ऑनलाईन संगीत, कला और शारीरिक प्रशिक्षण पर विचार।

– महाविद्यालय का यूनिफार्म ड्रेसकोड यद्यपि अधिकांशता छात्राओं द्वारा अनुकरणीय बताया गया था फिर भी वर्तमान कोविड–19 नियमों के कारण इस पर कोई विचार नही किया गया।

कार्यवाही :

– वर्तमान सत्र के अंत में कोविड–19 के संक्रमण के कारण लागू लॉकडाउन में शैक्षिक प्रणाली को ध्वस्त कर दिया था और आवश्यकता के अनुरूप नयी चुनौतियों से जूझने के लिये शैक्षिक प्रणाली में सुधार के लिये आगामी सत्र में व्यापक सुधार किये गये।

– पुस्तकालय के लिए रू0 1.11 लाख मूल्य की पुस्तकें क्रय की गयी और जो पाठ्यक्रम इन पुस्तकों में उपलब्ध पाठ्य सामाग्री के अनुरूप नही था उसके लिये शिक्षकों से अनुरोध किया गया कि वे छात्राओं को सीधे नोट्स उपलब्ध कराये जिसमें संदर्भ ग्रन्थों का उपयोग किया जाये।

– भूगोल विभाग की प्रयोगशाला के लिये रू0 20,000 मूल्य के उपकरण क्रय किये गये।

– क्रीडा परिसर के लिये पुराछात्राओं द्वारा 07 जेवलिन, 05 डिस्क, 02 गोले और 12 रस्सी उपलब्ध करायी गयी।

– सैनेटाइज़र टनैल, आटोमैटिक सेनेटाइज़र एवं प्रत्येक छात्रा की थर्मल चेकिंग की उपलब्धता सुनिश्चित की गई। परिसर में प्रतिदिन सेनेटाइज़ेशन की व्यवस्था की गयी।

– परिसर में परस्पर दूरी बनाये रखते हुए क्रमवार छात्राओं के लिये प्रत्यक्ष कक्षाएं संचालित की गई एवं पुस्तकालय के उपयोग को सुनिश्चित किया गया।

– कोविड–19 के निर्देशो के अन्तर्गत सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं कैन्टीन की सुविणा स्थगित रखी जाय, किन्तु ऑनलाईन संगीत गायन एवं योग कक्षाओं को प्राथमिकता पर संचालित किया जाये।

– महाविद्यालय की बसों में परस्पर दूरी को बनाये रखते हुए परिवहन सुनिश्चित किया गया।

– डॉ0 सुधाकर सिंह, डॉ0 राकेश शर्मा एवं डॉ0 अवन्तिका पाण्डेय से छात्राओं को ऑनलाईन चिकित्सीय सहायता उपलब्ध कराने के लिये अनुरोध किया गया।

– शिक्षण विधि को ऑनलाईन कक्षाओं एवं प्रत्यक्ष कक्षाओं के अनुरूप सवंर्धित करने के लिये आवश्यक कार्यवाही करने का प्राचार्या से आग्रह किया गया।

– यूट्यूब चैनल, गूगलमीट एवं वर्कप्लेस प्लेटफार्म पर शैक्षणिक सामाग्री उपलब्ध कराने के लिये सभी शिक्षक–शिक्षकाओं से अनुरोध किया गया।

छात्राओं एवं पुराछात्राओं के फीडबैक (2020–21) का विश्लेषण –

कोविड–19 के संकटकाल के उपरान्त सत्र 2021–22 प्रारम्भ होना था जिसमे सत्र 2020–21 के प्राप्त 1510 फीडबैक पर विचार किया जाना था। महाविद्यालय की छात्राएं और पुराछात्राएं कोविड–19 अवधि में महाविद्यालय के कार्यशैली से अविभूत थी फिर भी उनके द्वारा दिये गये फीडबैक में जिन बिन्दुओं पर महाविद्यालय में और सुधार की आवशकता थी, पर विचार किया गया। इस बैठक में फीडबैक से हट कर भी छात्राओं के हित में शिक्षक–शिक्षिकाओं से प्राप्त सुझाओं पर भी विचार किया गया। विचारणीय बिन्दु इस प्रकार थे –

– महाविद्यालय द्वारा चलाये जा रहे ऑनलाईन कक्षाओं के समय को कम करने पर विचार।

– ऑनलाईन वेबिनार, प्रतियोगिताएं, संगीत और कला आदि के अवसरों में विचार।

– सत्र 2020–21 में अल्पकाल के लिए महाविद्यालय में प्रत्यक्ष कक्षाएं संचालित की गई थी जिसमें सेनिटाइज़ेशन और परस्पर दूरी को बनाये रखने में आने वाली कठिनाईयों और उनको दूर करने पर विचार।

– कोविड–19 नियमों के अन्तर्गत परस्पर दूरी को बनाये रखते हुए पुस्तकालय, क्रीडा परिसर, कौशल/प्रशिक्षण और परिवहन जैसी सुविधाओं को जारी रखने में आने वाली कठिनाईयाँ और उसे दूर करने पर विचार।

– छात्राओं को सामाजिक दायित्वों का बोध कराने के लिए किये जाने वाले प्रयासों पर विचार।

– प्रतियोगात्मक परीक्षाओं के लिए ऑनलाईन पाठ्य समाग्री उपलब्ध कराये जाने पर विचार।

– ऑनलाईन चिकित्सीय सुविधा जिसमें मनोचिकित्सक की ऑनलाईन सलाह की व्यवस्था सम्मलित हो पर विचार।

– ऑनलाईन छात्राओं को उनके दैनिक भोजन (न्यूट्रीशन) के सम्बन्ध में सुविधाएं उपलब्ध कराने पर विचार।

कार्यवाही :

सत्र 2020–21 एक संकटकालीन दौर था। पूर्व से संचालित शिक्षण विधियाँ और शिक्षण सामाग्रीयाँ सब कुछ आप्रासंगिक हो चुकी थी। छात्राओं की ऑनलाईन परीक्षाएं सम्पादित करायी गयी। कोविड–19 के कारण विश्वविद्यालय द्वारा सामूहिक प्रोन्नति दी गयी। ऐसे में शिक्षा के स्तर को बनाये रखने के लिये महाविद्यालय को कठिन निर्णय लेने पड़े और कठोर कदम उठाने पड़े।

– छात्राओं को यूट्यूब चैनल, गूगलमीट एवं वर्कप्लेस पर पाठ्य सामाग्री उपलब्ध करायी गयी तथा समय सारणी के अनुसार नियमित कक्षाएं संचालित की गयी।

– परिसर/वाहनों में नियमित रूप से सेनेटाइज़ेशन एवं परस्पर दूरी बनाये रखते हुये क्रमवार प्रत्यक्ष कक्षाओं का संचालन किया गया।

– मनोरोग चिकित्सक डॉ0 अभिजीत श्रीवास्तव एवं डॉ0 गिरजेश श्रीवास्तव ने ऑनलाईन कांउसलिंग की सुविधा छात्राओं को दी गयी।

– ऑनलाईन आर्ट कम्पटीशन एवं संगीत गायन के कार्यक्रम आयोजित किये गये।

– जे0एन0यू0 नई दिल्ली के पर्यावरण विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो0 के0कृष्ण गोपाल सक्सेना की ऑनलाईन पर्यावरण संरक्षण पर संगोष्ठी आयोजित की गयी और छात्राओं ने अर्न्तराट्रीय पर्यावरण दिवस पर अपने–अपने घरों के आस–पास उपलब्ध स्थान पर 273 पीपल, पाकर, बरगद, नीम एवं गूलर के पौध रोपित कर उनके वीडियों प्रेषित किये गये।

– कोविड–19 टीकाकरण कैम्प महाविद्यालय परिसर में आयोजित कर छात्राओं और उनके अभिभावकों का टीकाकरण कराया गया।

– कोविड–19 के नियमों के कारण कैन्टीन की सुविधा एवं सांस्कृति कार्यक्रम स्थगित रहे।

– पुस्तकालय में परस्पर दूरी बनाये रखते हुए छात्राओं को प्रवेश की सुविधा दी गयी।

– क्रीडा प्रतिस्पर्धाओं में केवल उन्ही खेलों को सम्मलित किया गया जिनमें पर्याप्त परस्पर दूरी बनी रहे। ऐसे खेलों में बैटमिनटन, वॉलीबॉल, डिस्कस/जैवलिन थ्रो और एथलेटिक्स को प्राथमिकता दी गयी।

– क्वीज और सामान्य ज्ञान प्रतियोगिताऐं आयोजित की गई, जिससे बौद्धिक/तार्किक क्षमता में विकास हो सके।

– शुद्ध/शीतल पेयजल व्यवस्था के लिए आर0ओ0 विद् चिलर की व्यवस्था की गई। शैक्षणिक विधियों एवं शैक्षणिक परिवेश को ऑनलाईन एवं प्रत्यक्ष कक्षाओं दोनों के अनुरूप तैयार किया गया। जिससे छात्राओं को प्रत्यक्ष कक्षाओं में क्रमवार शिक्षक/शिक्षिकाओं से सीधे संवाद भी हो सके और इसके साथ–साथ ऑनलाईन पाठ्य सामग्री भी उपलब्ध हो सके। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालय के ई–पाठशाला पोर्टल पर भी शिक्षक/शिक्षिकाओं द्वारा लगभग 200 लेक्चर्स अपलोड किये गये।

– छात्राओं में सामाजिक दायित्यों का बोध कराने के लिये 04 ऑक्सीजन कंसन्ट्रेटर और 10 ब्लोवर मडिकल कॉलेज, प्रतापगढ़ को और लगभग 1000 से अधिक मॉस्क जन समान्य को महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा वितरित कराया गया।

– छात्राओं द्वारा कोविड पीडितों से ऑनलाईन सम्पर्क कर उन्हे बेड, ऑक्सीजन एवं एम्बुलेन्स की सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिये एक टीम के रूप में कार्य करने को प्रेरित किया गया।